मंगलवार
04 जनवरी 2022

पृष्ठ 4

अपनी बस यात्रा को बनाएं आरामदायक!

पृष्ठ 5

ऐश्वर्या ने साइन की इंटरनेशनल फिल्म द लेटर, रवींद्रनाथ टैगोर की रचना से है प्रेरित

● देहरादून
● वर्ष 28
● अंक 320
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

हज़ार योद्धाओं पर विजय पाना आसान है, लेकिन जो अपने ऊपर विजय पाता है वही सच्चा विजयी है।

– गौतम बुद्ध

दूनवैलीमेल

29 वां वर्ष email: doonvalley_news@yahoo.com आर.एन.आई.- 59626/94 Website: dunvalleymail.com

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

चुनावी रैलियों पर रोक संभव

❑डिजिटल प्रचार व वर्चुअल रैलियों पर विचार
❑रैलियों से कोरोना विस्फोट का बड़ा खतरा
❑चुनाव आयोग की बैठक में हो सकता है फैसला

संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। देश में लगातार बढ़ रहे कोरोना को देखते हुए पांच राज्यों में होने वाले चुनावों के मद्देनजर होने वाली चुनावी रैलियों पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। निर्वाचन आयोग द्वारा आज इस मुद्दे पर बैठक बुलाई गई है जिसमें प्रत्यक्ष चुनावी रैलियों पर रोक लगाने और डिजिटल चुनाव प्रचार की व्यवस्था पर फैसला लिया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि देश में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं बीते एक सप्ताह में देश में कोरोना के मामलों में 50 फीसदी की वृद्धि हुई है तथा यह आंकड़े 6358 से बढ़कर 33,756 तक जा पहुंचे हैं केंद्र सरकार द्वारा जहां राज्यों को सख्ती बरतने के निर्देश दिए जा रहे हैं वहीं सुप्रीम कोर्ट द्वारा भी केंद्र सरकार तथा निर्वाचन आयोग को चुनाव कुछ महीने स्थगित करने और चुनावी रैलियों पर रोक लगाने तथा डिजिटली चुनाव प्रचार के तरीकों पर विचार करने का सुझाव दिया गया था। देश में कोरोना की तीसरी लहर आ चुकी है तथा तेजी से बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिल्ली, राजस्थान उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र, केरल व झारखंड में पाबंदियों का दौर शुरू हो चुका है।

चुनाव आयोग ने भी स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आज इस मुद्दे पर फैसले के लिए बैठक बुलाई गई है जिसमें रैलियों पर रोक लगाए जाने पर फैसला लिया जा सकता है। चुनाव प्रचार के लिए आयोजित की जाने वाली रैलियों में लाखों लोगों की भीड़ उमड़ती है तथा इस भीड़ से कोविड-19 गाइड लाइनों का अनुपालन कराया जाना संभव नहीं है। इस बात को सभी जानते हैं। चुनाव आयोग द्वारा चुनावी तैयारियों के मद्देनजर अभी उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश सहित तमाम राज्यों की स्थिति की समीक्षा के मद्देनजर दौरे किए गए थे तथा राजनीतिक दलों और नेताओं से इस मुद्दे पर उनकी राय भी जानी गई थी। इस दौरान हालांकि कोई भी राजनीतिक दल चुनाव टालने और रैलियों पर रोक के पक्ष में नहीं दिखा था। लेकिन जिस तेजी से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं तथा ओमीक्रोन का खतरा बढ़ रहा है उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है तथा इस बात की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि यह चुनावी रैलियां कोरोना की बड़ी संवाहक बन सकती हैं।

भाजपा नेताओं से अभद्रता व मारपीट मामले में एक दरोगा और दो सिपाही लाईन हाजिर

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। भाजपा नेताओं से अभद्रता व मारपीट मामले में उच्चाधिकारियों द्वारा कार्यवाही करते हुए भगवानपुर थाने में तैनात एक दरोगा में दो सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है। वहीं मामले की जांच सीओ मंगलौर द्वारा की जा रही है।

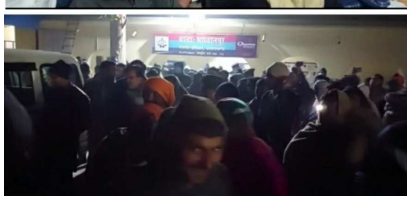

बता दें कि बीते रोज थाना भगवानपुर पुलिस ने ग्राम सिकरोड़ा से एक वारंटी को गिरफ्तार किया गया था। वारंटी की गिरफ्तारी की खबर सुनते ही भगवानपुर क्षेत्र के भाजपा नेता उनके समर्थन में थाने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि उक्त वांरटी भाजपा कार्यकर्ता भी है। बातचीत के दौरान पुलिसकर्मियों और भाजपा नेताओं के बीच तीखी नोक झोंक हो गयी। भाजपा नेता मास्टर सत्यपाल का कहना है कि पुलिसकर्मियों ने बातचीत के दौरान भाजपा नेताओ पर लाठी बरसाना शुरू कर दिया और उन्हे जमकर लात घूंसों से पीटा गया। बताया जा रहा है कि पुलिस द्वारा की गयी मारपीट में भगवानपुर मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष मनोज कपिल, इकबालपुर गन्ना समिति के प्रशासक अमन त्यागी सहित कई लोगों को हल्की चोटें भी आईं। जिसके बाद मामले की जानकारी मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा काफी संख्या में थाने पहुंच कर ध रना शुरू कर दिया गया तथा मारपीट करने वाले पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कराने की मांग करने लगे। मामले की जानकारी मिलने पर झबरेड़ा विधायक देशराज कर्णवाल भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने इस प्रकार की घटना पर नाराजगी जताते हुए कार्रवाई की मांग की। मामले की गम्भीरता को देखते हुए मौके पर पहुंचे

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

अब दिल्ली में लगेगा वीकेंड कर्फ्यू

नयी दिल्ली। कोरोना ग्राफ में तेज उछाल और संक्रमण दर के बढ़ने की वजह से दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू लगाया जाएगा । कोरोना से पैदा हुए हालात पर आज दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की मीटिंग में इस संबंध में फैसला हुआ। वीकेंड कर्फ्यू लागू होने के साथ ही हर शुक्रवार रात से सोमवार सुबह तक दिल्ली में कर्फ्यू लगेगा।

देश की राजधानी में पहले से ही नाइट कर्फ्यू लागू है। साथ ही कई पाबंदियां भी लगी हुई हैं और येलो अलर्ट जारी है। डीडीएमए की बैठक के बाद दिल्ली के उप–मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया, ओमीक्रोन वेरिएंट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। दिल्ली में पिछले ८–१० दिनों में लगभग ११००० कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैं, जिनमें से लगभग ३५० मरीज अस्पताल में हैं। केवल १२४ मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ी है और ७ वेंटिलेटर पर हैं।

बता दें कि राजधानी में सोमवार को ही कोरोना वायरस संक्रमण के ४,०६६ नए मामले सामने आए, जो रविवार के मुकाबले २८ फीसदी अधिक है। दिल्ली में संक्रमण दर अब बढ़कर ६.४६ फीसदी हो गई है। ओमीक्रोन वेरिएंट के मामलों में भी दिल्ली में देश में महाराष्ट्र के बाद दूसरे स्थान पर है। ओमीक्रोन के अभी तक महाराष्ट्र में सबसे अधिक ५६८ मामले सामने आए हैं। इसके बाद दिल्ली में ३८२ मामले मिले हैं। ऐसे में पहले से ही दिल्ली में कोविड की वजह से पाबंदियों को और सख्त किए जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं।

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 37379 नए मामले सामने आए, ओमीक्रोन मामले 1800 के पार

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संक्रमण के पिछले २४ घंटे में ३७,३७६ नए मामले सामने आए हैं। ये जानकारी मंगलवार सुबह स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से दी गई।

आंकड़ों के अनुसार पिछले २४ घंटे में देश में कोरोना से १२४ लोगों की मौत भी हो गई है। वहीं ११००७ लोग बीमारी से ठीक हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में अब एक्टिव केस बढ़कर १ लाख ७१ हजार ८३० हो गए हैं। वहीं, कुल मृतकों की संख्या बढ़कर ४ लाख ८२ हजार १७ हो गई है। देश में कुल कोविड–१६ के मामले बढ़कर अब ३ करोड़ ४६ लाख ६० हजार २६१ हो गए हैं। जबकि दैनिक संक्रमण दर ३.२४ प्रतिशत पहुंच गया है। इससे

पहले सोमवार सुबह की रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को भारत में एक दिन में कोविड–१६ के ३३,७५० नए मामले सामने आए थे जबकि १२३ लोगों की मौत हो गई थी। ऐसे में ताजा मामलों में करीब ११ फीसदी की उछाल हुई है।

देश में ओमीक्रोन के मामले भी १८०० के पार हो गए हैं। मंत्रालय के अनुसार ओमीक्रोन वेरिएंट की पुष्ट संख्या देश में अब १८६२ हो चुकी है। इनमें से ७६६ लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं या विदेश चले गए हैं। महाराष्ट्र में सबसे अधिक ओमीक्रोन केस हैं जबकि दिल्ली दूसरे स्थान पर है। महाराष्ट्र में अब तक ओमीक्रोन के सबसे अधिक ५६८ मामले सामने आए हैं। इसके बाद दिल्ली में ३८२, केरल में १८५, राजस्थान में १७४, गुजरात में १५२, और तमिलनाडु में १२१ मामले सामने आए हैं।

इस बीच देश में सोमवार से १५ से १८ साल के किशोरों के लिए भी टीकाकरण का अभियान शुरू हो गया। पहले दिन करीब ४१ लाख किशोरों को कोविड से बचाव के लिए वैक्सीन दी गई।

दून वैली मेल

संपादकीय

पूर्व सैनिकों को नौकरी, चुनावी कार्ड

बीते कल आम आदमी पार्टी के संस्थापक अरविंद केजरीवाल ने उत्तराखंड की राजधानी में अपनी चुनावी नव परिवर्तन सभा को संबोधित करते हुए सभी सेवानिवृत्त सैनिकों को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की गई, इसके साथ ही उन्होंने शहीद परिवारों को आप की सरकार बनने पर एक करोड़ की सम्मान राशि देने का वायदा किया गया। जहां तक शहीद परिवारों को सम्मान राशि एक करोड़ देने की बात है वह उनका एक स्वागत योग्य फैसला माना जा सकता है। क्योंकि देश की आन-बान-शान के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने की कोई कीमत नहीं हो सकती। केंद्र और राज्यों की सरकारों को यह सब बहुत पहले करना चाहिए था जिससे शहीदों के परिवारों को किसी तरह के आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े लेकिन उनके हाथ द्वारा सेवा निवृत्त होकर आने वाले सैनिकों को सरकारी नौकरी देने की घोषणा को उचित नहीं ठहराया जा सकता है यही कारण है कि उनकी इस घोषणा को विशुद्ध राजनीतिक और चुनावी लाभ के लिए की जाने वाली घोषणा के तौर पर देखा जा रहा है। राज्य में लाखों करोड़ों युवा बेरोजगार घूम रहे हैं और उन्हें रोजगार नहीं मिल पा रहा है ऐसे में उन पूर्व सैनिकों को भी सरकार नौकरी देने का काम करेगी जो एक सरकारी नौकरी कर चुके हैं तथा जिन्हें जीवन यापन के लिए अच्छी खासी पेंशन के साथ अन्य नौकरियों में भी प्राथमिकता के आधार पर नौकरी दिए जाने की व्यवस्था पहले से ही है अब क्या उन्हें सरकारी नौकरी देने की अरविंद केजरीवाल की गारंटी ठीक मानी जा सकती है। अरविंद केजरीवाल जिन्होंने कल यह घोषणा की थी उसे लेकर युवा और शिक्षित बेरोजगारों में आक्रोश होना अति स्वाभाविक है भले ही अरविंद केजरीवाल द्वारा प्रदेश के युवा बेरोजगारों को नौकरी देने की गारंटी दी जा रही है और जब तक नौकरी नहीं दी जाती है तब तक हर एक बेरोजगार को पांच हजार रूपये भत्ता देने की बात वह कह रहे हैं लेकिन सवाल यह है कि राज्य के शिक्षित युवाओं के लिए तो सरकारी नौकरी देने की क्षमता है नहीं या वह बेरोजगारों को तो नौकरी दे नहीं पा रही है ऐसे में पूर्व सैनिकों को अरविंद केजरीवाल कहां से नौकरी देंगे? यह एक अहम सवाल है। सही बात यह है कि उन्होंने पूर्व सैनिकों को सरकारी नौकरी देने की जो बात कही है वह उनका सिर्फ चुनावी कार्ड है जो सैनिक परिवारों के वोट हासिल करने के लिए खेला गया है। वह खुद भी यह अच्छी तरह से जानते हैं कि बिना सैनिक परिवारों के वोटों के किसी भी राजनीतिक दल को सूबे की सत्ता नहीं मिल सकती है यही कारण है कि महिलाएं जिनको उन्होंने हर माह 1000 रूपये सम्मान राशि और सैनिक परिवार जिन्हें वह सरकारी नौकरी का वायदा कर रहे हैं का वोट ही सत्ता तक पहुंचा सकता है। अब यह देखना होगा कि उनका यह चुनावी कार्ड कितना कारगर साबित हो पाता है।

आईआईटी से खुशखबरी

देश के आईआईटी संस्थानों से इस बार प्लेसमेंट को लेकर अच्छी खबर आ रही है। महामारी और लॉकडाउन के चलते इंडस्ट्री को मंदी की जो मार झेलनी पड़ी, उसका सीधा असर पिछले साल इन संस्थानों से होने वाले प्लेसमेंट पर दिखा था। मगर इस बार सूरत पूरी तरह से बदली हुई है। प्लेसमेंट के पहले हफ्ते में ही कई रेकॉर्ड टूट चुके हैं। कई संस्थानों में हजार ऑफरों की संख्या पांचवें-छठे दिन ही पार कर गई। कई आईआईटी में 50 के आसपास स्टूडेंट्स एक करोड़ से ऊपर का पैकेज पाने में सफल रहे। आईआईटी दिल्ली में तो यह संख्या 60 पहुंच गई है। वह भी केवल इंटरनैशनल रोल के लिए नहीं, डोमेस्टिक रोल के लिए भी। ध्यान रहे, इंटरनैशनल रोल के लिए एक करोड़ से ऊपर के पैकेज पहले भी मिलते रहे हैं, लेकिन घरेलू भूमिका के लिए ऐसा पैकेज पहली बार मिला है। खास बात यह है कि प्लेसमेंट की स्थिति इस साल न केवल पिछले साल के मुकाबले बल्कि पूर्व महामारी यानी 2019 में देखी गई स्थिति से भी बेहतर है। कई मामलों में इसने अब तक के सारे रेकॉर्ड तोड़ दिए हैं। उदाहरण के लिए आईआईटी बॉम्बे में इस बार ग्रैजुएशन बैच ने पहले छह दिनों में ही 1200 जॉब ऑफर पाए, जो अपने आप में एक रेकॉर्ड है। अन्य संस्थान भी पीछे नहीं हैं। आईआईटी रुड़की में इस बैच को अब तक मिले जॉब ऑफर की संख्या 1,171 है, जो पिछले साल दिसंबर में दर्ज किए गए जॉब ऑफर से लगभग दोगुना है। अब तक के ट्रेंड को देखते हुए जानकारों का कहना है कि प्लेसमेंट प्रक्रिया पूरी होने तक इस साल मिलने वाली नौकरियां पिछले कई वर्षों के मुकाबले ज्यादा होंगी। बेस्ट पैकेज के आंकड़ों से थोड़ा हटकर देखें तो एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि कई इंडिया बेस्ड स्टार्टअप्स और कंपनियां टॉप रिक्रूटर के रूप में उभरी हैं। महामारी शुरू होने के बाद से ही तरह-तरह के निराशाजनक हालात से जूझते यूथ के लिए ये खबरें संजीवनी का काम कर सकती हैं। बेशक यह केवल आईआईटी संस्थानों के प्लेसमेंट से जुड़ी खबरें हैं, जहां तक यूथ की बहुत छोटी सी संख्या पहुंचती है, लेकिन फिर भी यह इंडस्ट्री के बदलते ट्रेंड का संकेत दे रही हैं। हालांकि कई देशों में कोरोना के नए सिरे से बढ़ते मामले और खासकर इसके नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ते केस चिंता का कारण बने हुए हैं, लेकिन फिर भी ऐसा लगता है कि हम इस खतरे के साथ जीना सीख रहे हैं। इसलिए अगर हालात हद से ज्यादा नहीं बिगड़े तो उम्मीद यही है कि इंडस्ट्री का यह ट्रेंड जारी रहेगा।

त्वं ह्यग्ने प्रथमो मनोतास्या धियो अभवो दस्म होता।
त्वं सीं वृषन्नकृणोर्दुष्टरीतु सहो विश्वस्मै सहसे सहध्यै।।
(ऋग्वेद ६-१-१)

हे प्रबुद्ध विद्वान जन ! आप अग्नि के सदृश्य तेजस्वी हैं। आप अग्रणी हैं। आप वायु के समान तीव्र हैं। आप दुखों को का नाश करने वाले हैं। आप दूसरों की बुद्धि में वृद्धि करके प्रसन्न होते हैं। आप हमें ऐसी अचूक शक्ति प्रदान करें जिसको कोई दूसरा ना रोक सके। जिससे हम पापवृत्तियों पर विजय प्राप्त कर सकें।

O enlightened scholars ! You are as brilliant as fire. You are the leader. You are as fast as the wind. You are the destroyer of sorrows. You take pleasure in increasing the intelligence of others. You give us such infallible power that no one else can resist it, and then we can get victory over sinful tendencies. (Rig Veda 6-1-1)

ऐश्वर्या ने मध्यप्रदेश में फहराया उत्तराखंड का परचम

संवाददाता

पिथौरागढ़। उत्तराखंड की बेटी ऐश्वर्या मेहता ने मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में आयोजित मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय जूनियर बैडमिंटन टूर्नामेंट 2021 में भाग लेकर 19 आयु वर्ग की बालिका एकल बालिका, डबल्स तथा बालिका जनरल में विजेता बनकर उत्तराखंड का झंडा बुलंद किया है।

धारचूला तहसील के ग्राम पंचायत खुमती निवासी ऐश्वर्या मेहता पुत्री लक्ष्मी मेहता तथा गोपाल सिंह मेहता बचपन से ही बैडमिंटन की खिलाड़ी है। ऐश्वर्या मेहता ने 16 साल की उम्र में इंदौर में इस साल के अंत में आयोजित राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में तीनों मैचों में विजेता का खिताब जीता। मध्य प्रदेश सरकार ने इस होनहार बालिका को पुरस्कार स्वरूप विजेता कप के साथ ही नगद धनराशि भी प्रदान की है।

सीमांत की इस बेटी को अभी तक उत्तराखंड सरकार की ओर से किसी भी प्रकार की सरकारी मदद नहीं मिली है। परिवार की मदद से ही यह बेटी आगे बढ़ रही है। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने राज्य सरकार से इस बालिका को राज्य में संरक्षण तथा अवसर प्रदान करने की मांग की।

सरकार पर लगाया वादा खिलाफी का आरोप

बागेश्वर। विभिन्न मांगों को लेकर राजस्व निरीक्षक, उपनिरीक्षक और राजस्व सेवक संघ के कर्मचारियों की कलमबंद हड़ताल नौवें दिन भी जारी रही। कर्मचारियों ने सभा करके सरकार पर उनकी उपेक्षा का आरोप लगाया। मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया। सोमवार को भी राजस्व कर्मियों ने कार्य बहिष्कार कर धरना दिया। जिलाध्यक्ष जगदीश परिहार ने कहा कि सरकार ने उनसे वादा किया था कि उनकी मांग पूरी होगी, लेकिन अब वह इसे अमली जामा नहीं पहनाया जा रहा है। उन्होंने कहा संघों की आपसी सहमति के आधार पर संगठन की आपत्ति के बाद भी एकीकरण का प्रस्ताव तैयार किया है। इस दौरान उन्होंने १६वें बैच के राजस्व निरीक्षक प्रशिक्षण व राजस्व निरीक्षक क्षेत्रों के पुनर्गठन पर कार्रवाई न होने पर भी नाराजगी व्यक्त की।

कांग्रेस की मैराथन में भगदड़, कई छात्राएं घायल

संवाददाता

बरेली। कांग्रेस द्वारा बरेली में आयोजित मैराथन में भगदड़ मचने से कई छात्राएं घायल हो गईं। जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है।

बरेली में लड़की हूं लड़ सकती हूं मैराथन का आयोजन किया गया। इस मैराथन में हजारों स्कूली छात्राओं ने भाग लिया। मैराथन में आई छात्राओं की भीड़ को देखकर आयोजकों के हाथ-पैर फूल गए। जिसके चलते वहां भारी अव्यवस्था फैल गई। इस कारण मैराथन में अचानक भगदड़ मच गई और सैकड़ों छात्राएं गिर गईं। सड़कों पर जूते और मास्क फैले नजर आये और कई छात्राएं घायल हो गईं। इन सभी घायल छात्राओं का इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

कोविसेल्फ होम टेस्टिंग किट की मांग बढ़ी

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड सहित पूरे देश में कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन स्वरूपों के संक्रमण के उभरने से कोवीसेल्फ होम टेस्टिंग किट की मांग में 4.5 गुना की वृद्धि हुई है। स्वयं-परीक्षण किट ओमिक्रोन सहित कोरोना वायरस के प्रमुख स्वरूपों का पता लगा सकती है।

मायलैब डिस्कवरी सॉल्यूशंस के एमडी और सह-संस्थापक हसमुख रावल के अनुसार पिछले 11 हफ्तों में कोवीसेल्फ टेस्टिंग किट की मांग में 4.5 गुना वृद्धि देखी गई है। कोविड परीक्षण किट की अपनी इकाई में 2.4 मिलियन यूनिट की उत्पादन क्षमता है और अगर मांग जारी रहेगी तो हम इसे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। स्थिति को देखते हुए कंपनी ने सभी प्रमुख ऑनलाइन चैनलों के साथ-साथ कंपनी की वेबसाइट पर ऑनलाइन ऑर्डर प्राप्त करने के लिए परीक्षण किट उपलब्ध कराया है। नाक के मध्य भाग द्वारा स्वाब परीक्षण के रूप में इसे डिजाइन किया गया है, यह केवल 15 मिनट में सकारात्मक परिणामों का पता लगा सकता है। प्रत्येक इकाई में एक परीक्षण किट, उपयोग करने के निर्देश पत्रक और परीक्षण के बाद सुरक्षित रूप से नष्ट करने के लिए एक बैग होता है।

भाजपा नेताओं से अभद्रता व मारपीट..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

सीओ मंगलौर पंकज गैरोला ने धरना दे रहे भाजपा कार्यकर्ताओं से वार्ता की और उन्हें समझाने का प्रयास किया। लेकिन भाजपा कार्यकर्ता आरोपी पुलिसकर्मियों को सस्पेंड करने की मांग पर अड़े रहे। जिस पर पुलिस उच्च अधिकारियों द्वारा कार्रवाई करते हुए एक दरोगा व दो कांस्टेबलों को लाइन हाजिर कर दिया गया है और सीओ मंगलौर पंकज गैरोला को इस घटना की जांच करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

दरोगा और कॉन्स्टेबल को लाईन हाजिर किये जाने की पुष्टि थानाध्यक्ष भगवानपुर पीडी भट्ट द्वारा की गयी है।

रिसाइक्लिंग प्रक्रिया को संगठित तरीके से मिले मदद

नगर संवाददाता

देहरादून। हर साल 40 प्रतिशत लैड एसिड बैटरियां असंगठित क्षेत्र द्वारा डाइवर्ट और पुनर्चक्रित की जा रही है जो कि सभी कानूनी और नियामक आवश्यकताओं के दायरे में नहीं आती है। जीएसटी की उच्च दर के कारण असंगठित क्षेत्र में पुनर्चक्रण का कार्य काफी बढ़ रहा है।

40 प्रतिशत यूलैब्स संगठित की बजाय असंगठित क्षेत्र में रिसाइक्लिंग के लिए पहुंच रहे हैं। परिणामस्वरूप भारत में लेड की प्रयुक्त एसिड बैटरीज ऐसे सेक्टर द्वारा प्रोसेस की जाती है जो प्रौद्योगिकी और तकनीक के मामले में परफेक्ट नहीं है। साथ ही केन्द्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के नियामकों पर आधारित भी नहीं है जिससे पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचता है।

वर्ष 2001 के बैटरी प्रबंधन एवं हैंडलिंग नियम तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 2020 के संशोधन के अनुसार नई लेड बैटरी की बिक्री के मुकाबले खुदरा विक्रेताओं के माध्यम से यूलैब्स द्वारा 90 प्रतिशत रिसाइक्लिंग अनिवार्य है। बैटरी नियम उन सभी उपभोक्ताओं और व्यवसायों पर लागू होते हैं जो लेड एसिट बैटरी का निर्माण, बिक्री, खरीद या उपयोग करते हैं या उपयोग की गई लेड एसिड बैटरी का आदान-प्रदान, पुनर्चक्रण या संग्रहण करते हैं या यूलैब्स की नीलामी में शामिल हैं।

प्रतिवर्ष राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को राज्य में यूलैब रिटर्न का विस्तृत रिकार्ड केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल को भेजना होता है जिसमें बेची गई लेड एसिड बैटरियों की संख्या और बदली गई लैड एसिड बैटरियों की संख्या, अधिकृत डीलरों, खुदरा विक्रेताओं और संग्रहण केन्द्रों और इसमें प्रमुख सामग्री के पुनर्चक्रण के लिए अधिकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं को वितरित लैड एसिड बैटरियों की संख्या आदि शामिल है।

प्रयुक्त लेड एसिड बैटरियों को एचएस कोड 8548 10 के तहत वर्गीकृत किया गया है जो 18 प्रतिशत जीएसटी के दायरे में आता है। असंगठित क्षेत्र के कार्यक्षेत्र में बढ़ोतरी और इसकी निरंतरता बने रहने में सीसा पुनर्चक्रण में यूलैब खरीद के लिए जीएसटी की उच्च दर 18 प्रतिशत है। यूलैब के लिए जीएसटी की यह 18 प्रतिशत दर असंगठित क्षेत्र को दुकानदार/खुदरा विक्रेता को अधिक कीमत चुकाने के लिए बेहतर स्थिति में लाने में मदद करती है। लेड एसिड बैटरी में बदलने के बाद उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी या कम कीमत पर बेच देते हैं क्योंकि वे जीएसटी के दायरे से बाहर हैं इसलिए उन पर जीएसटी लागू नहीं होता है। संगठित क्षेत्र पर 18 प्रतिशत जीएसटी की दर असंगठित क्षेत्र पर शून्य दर के मुकाबले होने से रिसाइक्लिंग के लिए असंगठित क्षेत्र को प्रेरणा मिलती है।

स्वरोजगार पाने में सहायक होगा प्रशिक्षण: डीडीओ

चम्पावत (आरएनएस)। आरसेटी की ओर से ३० दिनी इलेक्ट्रिक मोटर रिवाइंडिंग और रिपेयर सर्विसेज प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन मुख्य अतिथि डीडीओ एसके पंत ने किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से स्वरोजगार पाने में मदद मिल सकेगी। सोमवार को आरसेटी सभागार में हुए कार्यक्रम में निदेशक आरपी टम्टा ने विभाग की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से मनोयोग से कार्य करने का आह्वान किया। प्रशिक्षणार्थियों को माइक्रो लैब के जरिए एक दूसरे से परिचय कराया। विभिन्न खेलों और वीडियो क्लीपिंग के जरिए जानकारी दी गई। आयोजन में आरसेटी के फेकल्टी प्रकाश चंद्र, विजय सिंह लडवाल, महेंद्र सिंह पटवा, छवि दत्त पांडेय आदि ने सहयोग दिया। प्रशिक्षण में २५ युवा हिस्सा ले रहे हैं।

अस्तित्व में आया गरुड़ नगर पंचायत

बागेश्वर (आरएनएस)। नगर पंचायत गरुड़ का क्षेत्रीय विधायक चंदन राम दास व जिलाधिकारी विनीत कुमार द्वारा संयुक्त रूप से पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया। दास ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्रवासियों की गरुड़ को नगर पंचायत बनाने की मांग चली आ रही थी, जो आज पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक करोड़ रुपये की घोषणा की गई है, जिसके लिए भवन निर्माण हेतु भूमि का चयन कर लिया गया है, जिसका प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत के गठन के बाद क्षेत्रवासियों को इसका लाभ मिलेगा तथा नगर की सफाई के लिए पर्यावरण मित्रों की तैनाती की गई है, जिससे नगर की साफ–सफाई बेहतर हो पाएगी। जिलाधिकारी कुमार ने कहा कि नगर पंचायत के गठन के लिए प्रस्ताव पहले ही प्रेषित किया गया था तथा नगर पंचायत के गठन होने से स्थानीय लोगों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ सभी क्षेत्रवासियों को उपलब्ध होगा। नगर की साफ–सफाई व्यवस्था भी दूरस्थ होगी। १० पर्यावरण मित्रों की तैनाती करने के साथ ही एक कूडा वाहन व एक रोबोर्ड भी सफाई व्यवस्था में लगाया गया है। जिसके लिए एक वाहन चालक भी तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि स्थायी अधिशासी अधिकारी की तैनाती हेतु शासन को पत्र प्रेषित किया गया है। नगर पंचायत को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए शासन से १० लाख की मांग की गई है।

111 जरूरतमंदों को विवेकाधीन कोष के चेक दिए

नगर संवाददाता

ऋषिकेश। बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय पर मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने 111 जरूरतमंदों को विधानसभा अध्यक्ष विवेकाधीन कोष से 9 लाख रूपये के चेक वितरित किए।

इस अवसर पर अग्रवाल ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए विधानसभा अध्यक्ष विवेकाधीन कोष से यह धनराशि दी है। कहा है कि विधवा, विकलांग एवं कमजोर वर्ग को यह सहायता दी जाती है ताकि प्रत्येक समुदाय अपने जीवन का भरण पोषण कर सकें।

अग्रवाल ने बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय पर आयोजित चेक वितरण कार्यक्रम के अवसर पर कहा है कि कोरोना काल के दौरान उन्होंने आम जनमानस के लिए एक लाख से अधिक मास्क एवं सैनिटाइजर का वितरण किया ताकि आम जनमानस कोरोना के प्रभाव से बच सकें। कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए यह छोटी सी धनराशि बड़ी राहत का काम कर सकती है। कहा है कि आत्मनिर्भरता के साथ स्वयं को खड़ा करने की जरूरत है ताकि अपने संसाधनों से अपनी आजीविका कमा सकें। अग्रवाल ने कहा कि कोरोना का प्रभाव दिनों दिन फिर से बढ़ता जा रहा है इसलिए सचेत रहने की अत्यंत आवश्यक है।

इस अवसर पर ऋषिकेश विधानसभा की सह प्रभारी पूनम चौधरी, हनुमंत गढ़ राजस्थान के पूर्व नगरपालिका चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल, रामानंद अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष अरविंद चौधरी, पार्षद सुंदरी कंडवाल, जिला पंचायत सदस्य दिव्या बेलवाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य गीता नेगी आरती गुप्ता, भावना, किशोर गौड, अंजना चौहान अमिता शर्मा, बबीता रावत, सचिन अग्रवाल, सत्येंद्र कुमार, सुशील शर्मा, चमन लाल आदि मौजूद रहे।

धर्मनगरी में शराब तस्करी कर रहे दो लोग दबोचे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में शराब तस्करी लिप्त दो लोगों को पुलिस ने कल देर शाम अलग-अलग थाना क्षेत्रों से गिरफ्तार कर उनके पास से देशी शराब भी बरामद की है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम कोतवाली मंगलौर पुलिस गश्त पर थी इस दौरान मिली सूचना के तहत पुलिस ने ग्राम भगवानपुर में छापेमारी कर सुशील पुत्र फूल सिंह 67 पव्वे देशी शराब सहित गिरफ्तार कर लिया गया।

वहीं दूसरी ओर थाना भगवानपुर पुलिस ने भी शराब तस्करी के खिलाफ कार्यवाही करते हुए मुख्य प्रवेश द्वार ग्राम खुब्बनपुर के पास से अर्जुन पुत्र स्व. सुदेश निवासी खुब्बनपुर को 66 पव्वे देशी शराब सहित गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनो तस्करों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया है।

वर्षों से जमे अधिकारियों पर संज्ञान ले निर्वाचन आयोग: मोर्चा

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि प्रदेश के अधिकांश नगर निगमों में अधिकारी अपनी प्रथम नियुक्ति से ही तैनात हैं तथा यही हाल मैदानी क्षेत्रों की पालिकाओं में तैनात अधिकारियों का है। एक ही स्थान पर वर्षों से जमे रहने के कारण इनके द्वारा राजनैतिक हस्तक्षेप के चलते पारदर्शी चुनाव की परिकल्पना करना बेमानी है।

नेगी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा शासन को तीन वर्षों से एक ही स्थान पर डटे अधिकारियों का स्थानांतरण अन्यत्र करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन शासन में गहरी पैठ बनाए सेटिंगबाज व भ्रष्ट अधिकारी मैदानी जनपदों की पालिकाओं में तैनाती पा लेते हैं तथा वहीं दूसरी ओर सिफारिश विहीन अधिकारी पहाड़ से पहाड़ पर ही नौकरी करने को मजबूर हैं। शासन ने हाल ही में आयोग के निर्देश पर पर्वतीय जनपदों के अधिकारियों को पहाड़ी क्षेत्रों में ही इधर से उधर किया है, लेकिन मैदानी क्षेत्र के अधिकारियों को नहीं हिलाया गया। जोकि बहुत गंभीर मामला है। उन्होने बताया कि मोर्चा ने उक्त मामले को लेकर भारत निर्वाचन आयोग को पत्र प्रेषित कर कार्यवाही की मांग की है। पत्रकार वार्ता में मो.असद व प्रवीण शर्मा पिन्नी मौजूद थे।

हर जरूरतमंद को मिले योजना का लाभ: मनीष

नगर संवाददाता

देहरादून। डोईवाला विधानसभा क्षेत्र में ई श्रमिक कार्ड बनाने के लिए शिविर का आयोजन किया गया।

पूर्व राज्य मंत्री व अखिल भारतीय पंचायत परिषद के संयोजक मनीष कुमार ने बताया कि हमारा लक्ष्य समाज के हर उस गरीब व्यक्ति तक इस योजना का लाभ पहुंचाना है जो इसके लिए पात्र है। इस योजना के अंतर्गत सभी श्रमिक कार्ड निशुल्क बनाए जा रहे हैं। कहा कि भविष्य में प्रत्येक ग्रामीण इलाके व शहरी इलाकों में इस प्रकार के कैंप लगाए जाएंगे ताकि कोई भी व्यक्ति इस योजना से वंचित ना रह सके।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अंजली जनकल्याण एवं सामाजिक संस्था की अध्यक्ष अंजू कुमार भंडारी अखिल भारतीय पंचायत परिषद की ब्लॉक महिला की अध्यक्ष रेखा चौहान, पार्वती कश्यप कांग्रेस के वरिष्ठ नेता धीरेंद्र चौहान, समाजसेवी चंद्र मोहन कोठियाल, पूर्व नगर अध्यक्ष सुनील सैनी, जिला उपाध्यक्ष पंकज नेगी, महामंत्री गौतम कुमार, ब्लॉक के कार्यकारी अध्यक्ष शिवम सती आदि थे।

इस तरह से खरीदें और इस्तेमाल करें फेस ऑयल, मिलेगा भरपूर

अगर आप उन लोगों में से एक हैं, जो फेस ऑयल खरीदते समय सिर्फ कीमत पर ध्यान देते हैं तो यह आपकी सबसे बड़ी गलती है। दरअसल, फेस ऑयल खरीदते समय कीमत के साथ-साथ कुछ अन्य बातों का भी खास ध्यान रखना चाहिए ताकि खरीदे जाने वाले फेस ऑयल के इस्तेमाल से चेहरे पर कोई नकारात्मक असर न पड़े। चलिए फिर आज हम आपको बताते हैं कि एक सही फेस ऑयल खरीदते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

न्यूजबाइट्स प्लस (बोनस इंफो)

फेस ऑयल क्या है?

फेस ऑयल को विशेष रूप से चेहरे के लिए बनाया गया है। इसके इस्तेमाल से चेहरे को भरपूर नमी के साथ ही कई तरह के पोषक तत्व मिल सकते हैं, जिसके कारण चेहरा स्वस्थ और चमकदार नजर आता है। वहीं, यह एक बेहतरीन मेकअप बेस की तरह भी काम करता है। हालांकि, ये फायदे तभी मिल सकते हैं, जब आप अपनी त्वचा की जरूरत को ध्यान में रखते हुए फेस ऑयल का इस्तेमाल करें।

चयन

अपनी त्वचा के प्रकार पर दें ध्यान

फेस ऑयल का चयन करते समय को हमेशा अपने त्वचा के प्रकार का ध्यान रखना चाहिए। अगर आपकी त्वचा रूखे प्रकार की है तो आपके लिए विटामिन युक्त फेस ऑयल का इस्तेमाल करना बेहतरीन है। वहीं, तैलीय त्वचा के लिए नॉन ग्रेसी और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से समृद्ध फेस ऑयल फायदेमंद है। मिश्रित त्वचा वाले एंटी-ऑक्सीडेंट गुण वाला फेस ऑयल चुनें और संवेदनशील त्वचा वाले लोग टी ट्री ऑयल और एलोवेरा जैसी सामग्रियों से युक्त फेस ऑयल खरीदें।

इस्तेमाल

फेस ऑयल का इस्तेमाल कैसे करना चाहिए?

अगर आपने अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार फेस ऑयल खरीद लिया है और उसका पहली बार इस्तेमाल करने वाले हैं तो दिन में एक बार ही इसे चेहरे पर लगाएं। अगर आपको कुछ दिनों तक फेस ऑयल के इस्तेमाल से कोई समस्या न हो तो फिर दिन में दो बार फेस ऑयल का इस्तेमाल करना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त, महिलाएं चाहें तो मेकअप से पहले भी फेस ऑयल का इस्तेमाल प्राइमर के रूप में कर सकते हैं।

फायदे

तरह-तरह के फेस ऑयल और उनके फायदे

1) जोजोबा ऑयल: यह फेस ऑयल विटामिन-श्र से युक्त होता है, जो त्वचा के तैलीय प्रभाव को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। 2) आर्गन ऑयल: यह फेस ऑयल संवेदनशील त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है। 3) एवोकाडो ऑयल: इस ऑयल में मॉइश्चराइजिंग और हाइड्रेटिंग गुण मौजूद होते हैं। 4) गुलाब ऑयल: यह फेस ऑयल एंटी-एजिंग फॉर्मूला से समृद्ध होता है, जो बढ़ती उम्र के असर को बेसर कर सकता है।

कंधार कांड पर वेब सीरीज लेकर आ रहे कबीर खान!

निर्देशक कबीर खान एक वेब सीरीज पर काम कर रहे हैं। वह कंधार कांड पर एक सीरीज लेकर आ रहे हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसकी तैयारी कबीर खान पिछले काफी समय से कर रहे थे। जल्द ही वह इसकी घोषणा करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, कांधार विमान अपहरण पर बनी इस सीरीज को फिलहाल आईसी 814 नाम दिया गया है और इसके लिए कबीर खान ने नेटफ्लिक्स से हाथ मिलाए हैं। यह अपहृत विमान के पायलट देवी शरण की किताब फ्लाइट इनटु फीयर: द कैप्टन स्टोरी पर आधारित होगी। कैसे आतंकवादियों ने विमान का अपहरण किया और भारत सरकार को अपनी मांगों को पूरा करने पर मजबूर किया, अपहर्ताओं के साथ क्या बातचीत हुई, सीरीज में कंधार की पूरी कहानी दिखाई जाएगी।

जानकारी के मुताबिक, कबीर खान इसे फिल्म हिंदी मीडियम के निर्देशक साकेत चौधरी के साथ मिलकर निर्देशित करेंगे, जो शुरुआत से ही कबीर के साथ इस प्रोजेक्ट से जुड़े रहे हैं।

24 दिसंबर, 1999 को पांच हथियारबंद आतंकवादियों ने 178 यात्रियों के साथ इंडियन एयरलाइन्स के आईसी-814 प्लेन को काठमांडू से अपहरण कर लिया था। आतंकियों ने अपहरण किए गए यात्रियों के बदले में जेल में बंद पांच खूंखार आतंकियों की रिहाई और बड़ी रकम की मांग की थी। करीब हफ्ते भर चली तनातनी के बाद तीन आतंकियों को छोड़ने पर बात बनी। तत्कालीन विदेश मंत्री यशवंत सिंह खुद उन्हें छोड़ने कंधार गए थे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

अपनी बस यात्रा को बनाएं आरामदायक!

कहीं जाने के लिए बस से लंबा सफर करना आसान बात नहीं है क्योंकि इस दौरान एक छोटी सी गलती मुसीबत का कारण बन सकती है। आप चाहें अपने परिवार के साथ प्राइवेट बस में यात्रा करें या फिर अकेले किसी लोकल बस में, आपके लिए यह यात्रा आरामदायक होनी चाहिए। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपनी लंबी बस यात्रा को अपने लिए सुविधाजनक और आरामदायक बना सकते हैं।

आरामदायक कपड़े पहनें और नेक पिलो को अपने पास रखें

बस यात्रा के लिए हमेशा आरामदायक कपड़े चुनें। उदाहरण के लिए अभी ठंड का मौसम है तो बस यात्रा के लिए ट्रेक सूट या जेब वाली ढीली पैंट के साथ गर्म टी शर्ट और गर्म जैकेट आदि पहनें। वहीं, अपने पास टोपी और स्कॉर्फ जैसी चीजों को भी रखें। इसके अतिरिक्त, अपने साथ नेक पिलो ले जाना न भूलें। बता दें कि नेक पिलो यू आकार का होता है, जो सिर और गले को आरामदायक स्थिति में रखता है।

स्नैक्स और हेडफोन को साथ ले जाना न भूलें

भले ही आप अपने परिवार के साथ बस यात्रा करें या अकेले अपने बेग में स्नैक्स के तौर पर कुछ चीजें रखें। हम जानते हैं कि यात्रा के दौरान कई बस स्टॉप आते हैं, लेकिन बाहर का खाना स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है, इसलिए बस यात्रा के दौरान अपने पास कुछ न कुछ स्वास्थ्यवर्धक खाने-पीने की चीजें जरूर रखें। वहीं, अगर आप अकेले बस यात्रा कर रहे हैं तो अपने पास एक हेडफोन या फिर ईयरफोन जरूर रखें।

एंटी-बैक्टीरियल वाइप्स आदि अपने पास रखें और समय-समय पर अपने शरीर को स्ट्रेच करें

जब भी आप बस से यात्रा करने जा रहे हो तब अपने ट्रेवलिंग बैग में एंटी-बैक्टीरियल वाइप्स और सैनिटाइजर आदि चीजें जरूर रखें क्योंकि यात्रा के दौरान में हाइजीन का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके अतिरिक्त, अगर आप बस स्टॉप पर बस से उतरना पसंद नहीं करते हैं तो बस में रहकर ही अपने हाथों और पैरों को स्ट्रेच करते रहें ताकि आप अकड़न और दर्द जैसी समस्याओं से बचे रहें।

अपनी कीमती चीजों को ध्यान से अपने पास रखें

आप चाहें बस में यात्रा करें या फिर ट्रेन आदि में अपनी कीमती चीजों को सुरक्षित और ध्यान से रखें। खासकर अगर आप अपने हेडफोन, स्मार्टफोन और अधिक पैसों के साथ बस यात्रा कर रहे हैं तो इन चीजों का ध्यान रखें और पैसों को एक जगह रखने से बचें उदाहरण के लिए अगर आप ज्यादा पैसों के साथ यात्रा कर रहे हैं तो कुछ पैसे अपनी जेब में तो कुछ पैसे अपने ट्रेवलिंग बैग में रखें।

दिव्या दत्ता की फिल्म माँ की शूटिंग हुई पूरी

बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने इसी साल अगस्त महीने में अपनी फिल्म माँ की अनाउंसमेंट की थी, और अब उन्होंने फिल्म को लेकर जानकारी दी है कि इसकी शूटिंग पूरी कर ली गई है।

दिव्या ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म के रैपअप की कुछ तस्वीरें शेयर की है और साथ ही कैप्शन लिखती है, और यह माँ का रैपअप हुआ। बहुत ही शानदार जर्नी रही। हमेशा ध्यान देने के लिए गिप्पी ग्रेवाल आपका शुक्रिया। साथ ही हमारे होनहार डायरेक्टर बलजीत सिंह और पूरी टीम को भी बहुत-बहुत धन्यवाद।

बता दें कि पिछले साल अगस्त महीने में फिल्म की अनाउंसमेंट करने के साथ ही दिव्या ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फर्स्ट पोस्टर भी रिवील किया था।

माँ फिल्म को बलजीत सिंह ने डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी राणा रणबीर ने लिखीं है। और इसे गिप्पी ग्रेवाल प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म मदर्स डे यानी कि 6 मई को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी

आपको बताते चलें कि इन दिनों दिव्या के पास फिल्मों की लाइन लगी हुई है। जहां कंगना रनौत की एक्शन थ्रिलर फिल्म धाकड़ में उनका एक नया अवतार देखने को मिलने वाला है वहीं दूसरी ओर उन्होंने ताहिरा कश्यप के साथ अपनी नई फिल्म की अनाउंसमेंट की थी जिसका टाइटल शर्माजी की बेटी है।

शब्द सामर्थ्य - 79

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

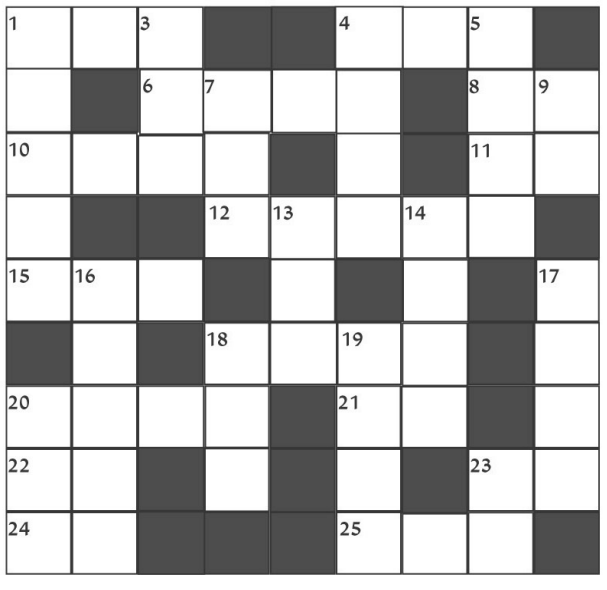

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 78 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

किच्चा सुदीप की विक्रांत रोणा अगले साल 24 फरवरी को होगी रिलीज

किच्चा सुदीप दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार हैं। साउथ ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड में भी उनकी फैन फॉलोइंग की कमी नहीं है। यही वजह है कि हिन्दी पट्टी के दर्शक भी उनकी फिल्मों की राह देखते रहते हैं। काफी समय से वह अपनी पैन इंडिया फिल्म विक्रांत रोणा को लेकर सुर्खियों में हैं। अब मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। यह फिल्म 24 फरवरी को दर्शकों के बीच आएगी।

एक्टर सुदीप ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर प्रशंसकों के साथ यह खुशखबरी शेयर की है। उन्होंने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, 24 फरवरी, 2022 को दुनिया को एक नया हीरो विक्रांत रोणा मिलेगा। उन्होंने फिल्म का एक टीजर वीडियो भी शेयर किया है, जिसका म्यूजिक दर्शकों को एक अलग रोमांच पर लेकर जाता है। इस अनाउंसमेंट वीडियो में सुदीप का लुक हॉलीवुड के किसी कलाकार की तरह उभरकर सामने आया है।

सुदीप की हालिया रिलीज हुई फिल्म कोटिगोब्बा 3 को प्रशंसकों और दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। कर्नाटक के सिनेमाघरों में दर्शकों ने इस फिल्म का खूब लुत्फ उठाया है। यह फिल्म कोरोना की दूसरी लहर के बाद कन्नड़ भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इससे पहले सुदीप को 2019 में सलमान खान की फिल्म दबंग 3 में देखा गया था। यह फिल्म भी हिट साबित हुई थी। इस लिहाज से उनसे उम्मीदें बढ़ जाती हैं।

विक्रांत रोणा को 19 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था, लेकिन कोरोना महामारी के कारण रिलीज टल गई। फिल्म को 3डी में तमिल और तेलुगू जैसी कई भाषाओं में भी रिलीज किया जाना था। यह बड़े बजट की फिल्म बताई जा रही है। इस फिल्म का लेखन और निर्देशन अनूप भंडारी ने किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में सुदीप एक शिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। अब फिल्म कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिन्दी में रिलीज होगी।

यह फिल्म अभी पोस्ट प्रोडक्शन स्टेज में है। इस थ्रिलर फिल्म में निरुप भंडारी, नीता अशोक, रविशंकर गौड़ा, मधुसूदन राव, वासुकी वैभव और जैकलीन फर्नांडिस जैसे दिग्गज कलाकार अपने अभिनय का जौहर दिखाएंगे। सुदीप ने मार्च, 2020 में हैदराबाद में इस फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। हालांकि, इस फिल्म का नाम पहले फैंटम था, जिसे निर्माताओं ने बदलकर विक्रांत रोणा करने का फैसला किया। अब देखना है कि पैन इंडिया लेवल पर बनी यह फिल्म कैसा प्रदर्शन करती है।

आजकल फिल्मों की रिलीज में क्लैश होना आम बात हो गया है। आए दिन कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर आपस में टक्कर लेती हैं। इस फिल्म की भिड़ंत रणवीर सिंह की फिल्म जयेशभाई जोरदार से होनी वाली है। जयेशभाई जोरदार 25 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आलिया भट्ट की बहुप्रतीक्षित फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी 18 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म से भी सुदीप की फिल्म का जबरदस्त क्लैश होगा। (आरएनएस)

भारतीयों के लिए दूसरी सबसे अधिक देखी जाने वाली फिल्म बनी सूर्यवंशी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म सूर्यवंशी ने सिनेमाघरों में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। थिएटर में जलवा दिखाने के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी फिल्म को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। यह फिल्म पिछले साल 3 दिसंबर 2021 को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। अब जानकारी सामने आ रही है कि सूर्यवंशी भारतीयों के लिए दूसरी सबसे अधिक देखी जाने वाली फिल्म बन गई है। इस कॉप ड्रामा फिल्म का निर्देशन रोहित शेट्टी ने किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सूर्यवंशी भारतीयों के लिए दूसरी सबसे अधिक देखी जाने वाली फिल्म बनी है। यह फिल्म 3 दिसंबर (शुक्रवार) को नेटफ्लिक्स पर आई है, इसलिए इसमें तीन दिनों का व्यूअरशिप ही शामिल है। वहीं, वेनम: लेट देयर बी कार्नेज ने इस सूची में पहला स्थान प्राप्त किया है। टॉम हार्डी अभिनीत इस सुपरहीरो फिल्म ने 29 नवंबर से 5 2021 दिसंबर के बीच सबसे ज्यादा लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

वेनम: लेट देयर बी कार्नेज अभी तक किसी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज नहीं हुई है। आप इसे यूट्यूब और गूगल प्ले स्टोर पर खरीद सकते हैं। टिमोथी चालमेट अभिनीत ड्यून ने तीसरे स्थान पर कब्जा किया है। इसके बाद चौथे स्थान पर द ग्रिंच और पांचवें स्थान पर एल्फ ने जगह बनाई है। स्पाइडर-मैन: इनटू द स्पाइडर-वर्स को छठा स्थान मिला। स्पाइडर मैन: फार फ्रॉम होम को सातवां और स्पाइडर मैन को आठवां रैंक मिला है।

फास्ट एंड फ्यूरियस 9 को नौवें स्थान पर जगह मिली। सूर्यवंशी के अलावा एकमात्र भारतीय फिल्म ने इस सूची में जगह बनाई है। वह फिल्म है साउथ अभिनेता किच्चा सुदीप की कोटिगोब्बा 3, जिसे दसवां स्थान मिला है। इस फिल्म को आईएमडीबी पर भी 7 रेटिंग्स मिली है। यह फिल्म कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बाद कन्नड़ भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों ने खूब सराहा था। सूर्यवंशी में अक्षय के अलावा कैटरीना कैफ, अजय देवगन और रणवीर सिंह भी नजर आए हैं। अजय और रणवीर ने अपने कैमियो के किरदार से फिल्म में जान डाल दी है। इस कॉप ड्रामा फिल्म में अक्षय, रणवीर और अजय तीनों पुलिस वाले की भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म में गुलशन ग्रोवर, सिकंदर खेर, अभिमन्यु सिंह और जावेद जाफेरी भी अहम भूमिकाओं में दिखे हैं। (आरएनएस)

ऐश्वर्या ने साइन की इंटरनेशनल फिल्म द लेटर, रवींद्रनाथ टैगोर की रचना से है प्रेरित

ऐश्वर्या ने अपनी अगली इंटरनेशनल फिल्म साइन कर ली है। यह रवींद्रनाथ टैगोर की किताब श्री वूमेन पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन फ्यूजन सिंगर और थिएटर राइटर निर्देशक इशिता गांगुली करेंगी। उन्होंने कहा, फिल्म में मुख्य किरदार ऐश्वर्या राय बच्चन निभाएंगी। किताब का नाम श्री वुमन था, लेकिन हमने इसे बदलकर द लेटर कर दिया है, क्योंकि यह फिल्म कादम्बरी देवी के लेटर पर आधारित है, जो टैगोर की भाभी थीं।

इशिता ने कहा, ऐश्वर्या और मैंने कोरोना महामारी से पहले ही इस प्रोजेक्ट पर चर्चा कर ली थी। मैं मूल रूप से इसे हिंदी में बनाना चाहती थी, लेकिन जब ऐश ने कहानी पढ़ी तो उन्होंने कहा कि फिल्म को अंग्रेजी में बनाना ज्यादा बेहतर होगा। इसके बाद मैंने इसे एक इंडो-अमेरिकन फिल्म बनाने का फैसला किया। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि ऐश्वर्या को कहानी पसंद आई और उन्होंने इसका हिस्सा बनने के लिए हामी भरी।

इशिता गांगुली पहली बार किसी फिल्म के निर्देशन की कमान संभालेंगी। उन्होंने कहा, अगले साल के मध्य तक हमने फिल्म द लेटर की शूटिंग करने की योजना बनाई है। ऐश्वर्या के अलावा फिल्म के लिए दूसरे कलाकारों की तलाश चल रही है। इशिता ने बताया कि फिलहाल वह फिल्म की कास्टिंग, शूटिंग लोकेशन और कहानी पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अगले साल जुलाई में न्यूयॉर्क में वह इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तैयारी में हैं।

यह ऐश्वर्या का पहला इंटरनेशनल प्रोजेक्ट नहीं है। उन्होंने 2004 में फिल्म ब्राइड एंड प्रेज्युडिस से अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में अपनी शुरुआत की थी। वह मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेस, प्रोवोक्ड, द लास्ट लीजन और द पिंक पैंथर 2 जैसी हॉलीवुड फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

भारतीय साहित्य को विश्व पटल पर स्थापित करने वाले उपन्यासकार रवींद्रनाथ टैगोर के कलम से निकलीं कई कहानियों को पर्दे पर उतारा जा चुका है। रवींद्रनाथ की कहानी काबुलीवाला पर फिल्मकार तपन सिन्हा ने 1957 में इसी नाम से एक बंगाली फिल्म का निर्माण किया था। इसके बाद बिमल रॉय ने 1961 में इस कहानी को हिंदी में बनाया। घरे बाइरे, नौका डूबी, चोखेर बाली और लेकिन जैसे रवींद्रनाथ के कई उपन्यासों को फिल्म का रूप दिया जा चुका है। ऐश्वर्या जल्द ही मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियन सेल्वन में दिखेंगी। यह फिल्म अगले साल दो भागों में रिलीज होगी। ऐश्वर्या इसमें नंदिनि और उनकी मां मंधाकिनी यानी डबल रोल में नजर आएंगी। यह 1995 में आई कल्कि कृष्णमूर्ति के उपन्यास पोन्नियन सेल्वन पर आधारित है। (आरएनएस)

'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में नहीं होंगे बोल्ड सीन

बालीवुड की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' की स्टोरी लाइन प्रेम कहानी है, लेकिन कहा जा रहा है कि फिल्म एक भी लिपलॉप और बोल्ड सीन देखने को नहीं मिलने वाले हैं, क्योंकि कहा जा रहा है कि ये फैसला खुद आलिया भट्ट और रणवीर सिंह ने लिया है।

आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को लेकर अगर आप सोच रहे हैं कि 'गली बॉय' की तरह इसमें भी शुद्ध रोमांटिक सीन देखने को मिलेंगे, तो ये खबर आपका दिल तोड़ सकती है।जानकारी के मुताबिक, ऐसा हो सकता है कि 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में आपको रणवीर और आलिया का किस देखने को न मिले.लोगों के मन में सवाल आया कि आखिर ऐसा क्या हो गया कि ये फैसला लिया गया।रिपोर्ट के मुताबिक, कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों ने ये फैसला अपने पार्टनर्स को लेकर लिया है।आलिया और रणबीर कपूर जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं।

वहीं, दूसरी तरफ रणवीर सिंह भी दीपिका पादुकोण के कारण पर्दे पर रोमांस करने में असहज हैं।वैसे इस तर्क पर फैंस के लिए यकीन करना थोड़ा मुश्किल हो रहा है, क्योंकि वैसे रणवीर सिंह और आलिया भट्ट अपनी फिल्म 'गली बॉय' में बेहद ही रोमांटिक सीन दे चुके हैं।पर्दे पर दोनों ने इंटेंस किस सीन भी था।रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म की शूटिंग फिलहाल दिल्ली में लंबे शेड्यूल में चल रही है। बता दें कि 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' की शूटिंग इन दिनों दिल्ली में चल रही है।फिल्म में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की जोड़ी एक बार फिर से बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाली है। करण जौहर लंबे वक्त बाद इस फिल्म से निर्देशन के क्षेत्र में वापसी कर रहे हैं।

रानी मुखर्जी की मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे 20 मई को होगी रिलीज

रानी मुखर्जी ने अपने निर्भीक किरदारों से लोगों का दिल जीता है। ये अलग बात है कि हाल के दिनों में वह दर्शकों को रिझाने में कामयाब नहीं रही हैं। उनकी हालिया रिलीज हुई फिल्म बंटी और बबली 2 ने भी कोई खास कमाल नहीं किया है। अब उनकी आगामी फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे पर दर्शकों की निगाहें टिकी हैं। मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट घोषित कर दी है। यह फिल्म अगले साल 20 मई को रिलीज होगी।

फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने फिल्म की रिलीज को लेकर जानकारी दी है। उन्होंने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, रानी की मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे 20 मई, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। प्रोडक्शन कंपनी एम्मे एंटरटेनमेंट ने भी रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान किया है। रानी के 43वें जन्मदिन के मौके पर मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवानी और निखिल आडवाणी की एम्मे एंटरटेनमेंट के साथ जी स्टूडियोज ने अपनी इस फिल्म की घोषणा की थी।

हाल में फिल्म की प्रिंसिपल फोटोग्राफी पूरी हुई है। एस्टोनिया और भारत के कुछ हिस्सों में बड़े पैमाने पर फिल्म को शूट किया गया है। फिल्म को लेकर रानी ने कहा था, वास्तव में अपने जन्मदिन का जश्न मनाने का कोई इससे बेहतर तरीका नहीं हो सकता था। 25 साल के अपने करियर में मैंने आज सबसे महत्वपूर्ण फिल्म को साइन किया है। रानी ने बताया था कि उनकी यह फिल्म महिला केंद्रित है।

रानी ने खुद कहा था कि यह संयोग ही है कि उन्होंने करियर की शुरुआत महिला केंद्रित फिल्म राजा की आएगी बारात से की थी। मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे की कहानी एक सच्ची घटना से प्रेरित होगी। एम्मे एंटरटेनमेंट और जी स्टूडियोज के साथ रानी की यह पहली फिल्म होगी। अभिनेत्री रानी ने इस फिल्म को अपने करियर का सबसे महत्वपूर्ण फिल्म बताया है। रानी की इस फिल्म को आशिमा छिब्बर निर्देशित करने वाली हैं।

फिल्म ऐसी घटना पर आधारित है, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बच्चों और मानवाधिकारों को झकझोर दिया था। रानी ने बताया था कि फिल्म दुनिया की सभी मांओं को समर्पित है। अगस्त में फिल्म की शूटिंग शुरू हुई थी और इसे अक्टूबर में पूरा किया गया।

रानी मर्दानी 3 को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज की दोनों पिछली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही हैं। 2014 में आई मर्दानी बाल तस्करी और ड्रग्स के इर्दगिर्द घूमती है। फिल्म का निर्देशन प्रदीप सरकार ने किया था। मर्दानी 2 2019 में रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन गोपी पुत्रन द्वारा किया गया था। इस फिल्म में रानी एक जुवेनाइल क्रिमिनल के खिलाफ अभियान छेड़ती हैं। चर्चा है कि गोपी ही रानी की मर्दानी 3 का निर्देशन करेंगे।(आरएनएस)

भारत-मालदीव संबंधों में चीन का रुख

विकास कुमार

भारत की दो दिवसीय यात्रा पर पिछले दिनों मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद आए । भारत के विदेश मंत्री जयशंकर प्रसाद से हुई वार्ता में उन्होंने कहा हिंद महासागर शांति और सुरक्षा का क्षेत्र है, वहां शांति स्थापित करने के प्रयास किए जाने चाहिए। मालदीव जब ब्रिटिश उपनिवेश से स्वतंत्र (1965) हुआ ,उस समय भारत ने सभी प्रकार के सहयोग उसको दिया। भारत मालदीव में ही नहीं अपितु अपने संपूर्ण पड़ोसी देशों में लोकतंत्र का समर्थक रहा है। यही मुद्दा रहा है कि जब वहां गैर लोकतांत्रिक सरकारें बनी तो भारत ने उसकी आलोचना की, परंतु चीन ने वहां समर्थन करने का रवैया अपनाया ।1988 में विद्रोहियों द्वारा राष्ट्रपति मामून अब्दुल गयूम के विरुद्ध संघर्ष आरंभ हुआ ,उसी समय भारत ने ऑपरेशन कैक्टस द्वारा विद्रोहियों से मुक्त कराया। प्राकृतिक आपदा के समय भी भारत ने मालदीव का साथ दिया- जैसे -2004 में सुनामी ,2008 में ज्वरीय आपदा , 1986 मैं भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने यहां इंदिरा गांधी मे मोरियल अस्पताल की स्थापना की।2008 में जब मालदीव में पहली बार चुनाव संपन्न हुए और मोहम्मद नासिर वहां के राष्ट्रपति बने भारत ने इस पहल की प्रशंसा की परंतु 2012 में उनको पद से हटा दिया गया जो पूर्णतया असंवैधानिक था ।भारत ने इस प्रक्रिया की आलोचना की परंतु चीन ने इस प्रक्रिया में चुप्पी साधा रहा । 2014 में जब मोहम्मद अब्दुल्ला यामीन नए राष्ट्रपति बने उन्होंने खुलकर चीन का समर्थन करना प्रारंभ कर दिया। उनका रुख भारत की तरफ ना होकर चीन की ओर बढ़ने लगा और उसने अपना निवेश यहां बढ़ाना प्रारंभ कर दिया, प्रमुख कंपनियां यहां पर व्यापार बढ़ाने लगी ।सबसे बड़ी समस्या तो उस समय देखने को मिली जब भारतीय कंपनियां जी ०एम ०आर ०का कॉन्ट्रैक्ट मालदीव ने तोड़ दिया जो 20 वर्षीय था और मुआवजा देने से भी इनकार कर दिया था और वही कॉन्ट्रैक्ट चीन को दे दिया गया। चीन वहां लगातार अपना निवेश बढ़ा रहा है हिंद महासागर मालदीव मैत्री पुल का निर्माण(2014) किया है । यामीन सरकार ने 2015 में संविधान के अनुच्छेद 251 में संशोधन किया जिसमें यह उपबंध था कि मालदीव की भूमि विदेशियों को सैनिक अड्डा या अन्य कार्य के लिए नहीं दी जाएगी ,परंतु संशोधन करने के बाद यह उपबंध किया गया है कि अब जमीन बेची जा सकती है ।विशेषज्ञों का मानना है कि यहां चीन का सैनिक अड्डा स्थापित करने का द्वार खुल गया है। वह अपने स्ट्रिंग आफ पर्ल्स (मोतियों की माला की नीति)का हिस्सा भी मालदीप को बना लिया है साथ ही परियोजनाओं पर भी रोड परियोजना पर भी सहमति बना ली है। वह बखूबी जानता है कि भारत का तेल व्यापार लगभग 40ल हिंद महासागर से होता है और यदि हिंद महासागर पर अपना स्थाई वर्चस्व बनाना है तो मालदीव सबसे बेहतर विकल्प है। क्योंकि यहां से ना सिर्फ वह मार्ग अवरुद्ध कर सकता है ,बल्कि सभी गतिविधियों में पैनी नजर भी रखेगा ।यह भी याद रखने की जरूरत है कि हिंद महासागर में अमेरिका का पहले से एक सैनिक अड्डा डिएगो गार्सिया (1971)है ।क्या चीन यह बराबरी करना चाहता है? या अपने वर्चस्व को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रहा है ।मालदीव में लगभग 29000 भारतीय प्रवासी निवास करते हैं जो व्यवसाय और नौकरी में लगे हैं। यहां बांग्लादेश और श्रीलंका के प्रवासी भी निवास करते हैं ,बांग्लादेशी प्रवासियों को पाकिस्तान उकसाता है और पाकिस्तान चीन द्वारा वित्त समर्थित है। कुछ यहां पुरानी विचारधारा वाले लोग भी हैं जो उदारीकरण और पर्यटन के प्रगति का विरोध करते हैं ।यही कारण रहा है कि एक बार इजरायल के पर्यटकों को यहां ना आने की धमकी दी गई और उन पर प्रतिबंध भी लगा दिया गया था। इन नीतियों से यहां का पर्यटन प्रभावित होता है और आय में कमी आती है ।चीन यहां दोनों प्रकार के लोगों का समर्थन करता चला आया है । भारत मालदीव और श्रीलंका के बीच एक त्रिपक्षीय वार्ता कुछ दिनों पहले संपन्न हुई थी इस बैठक में भारतीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल श्रीलंका के रक्षा सचिव और मालदीव की रक्षा मंत्री मारिया दीदी ने हिंद महासागर रणनीति को लेकर चर्चा की जो 6 वर्षों के पश्चात संपन्न हुई थी ।भारत यहां 6 .7 किमी लंबा पुल का निर्माण कर रहा है जो चीन पुल के प्रतिक्रिया में निर्मित हो रहा है। अभी यहां चीन की बहुत सी कंपनियां अपना निवेश बढ़ा रही हैं और वह भारी भरकम कर्ज के रूप में मालदीव को पैसा दिया है। हालांकि इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं है कि चीन ने कितना कर्ज मालदीव को दे रखा है। वहां के केंद्रीय बैंक के गवर्नर का मानना है कि 60 करोड़ अरब डालर (44.6 37अरब रुपए) का ऋण बकाया है। लेकिन मालदीप की कंपनियों के डेटा के अनुसार 90डॉलर है जबकि पूर्व राष्ट्रपति नशीद का मानना है कि यह धनराशि ऋण 3 अरब डॉलर है कुछ भी हो यही अनुमान लगाया जा सकता है कि चीन ने भारी रकम मालदीव में दी है। ऐसे में भारत को चाहिए कि वहां संचालित परियोजनाओं को पूरा करने में सक्रियता दिखाएं साथ ही घरेलू नीति और विदेश नीति दोनों को अलग करके देखें क्योंकि मालदीव में अधिकतम नागरिक इजराइल को पसंद नहीं करते हैं और वहां की आबादी अधिकतम मुस्लिम है ,क्योंकि हिंद महासागर से व्यापार के लिए मालदीव का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। इस समय उसने भारत के संयुक्त राष्ट्र संघ के स्थाई सदस्यता की सहमति दी है। यह भारत की प्रमुख कूटनीतिक जीत मानी जा सकती है ।परंतु अभी भी वहां चीन का निवेश बराबर बढ़ रहा है यह भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। चीन अपना व्यापार और निवेश वहां बढ़ा रहा है । वह हांगकांग से लेकर सूडान तक के जलमार्ग में अपना दावा पेश कर रहा है।वहां के पूर्व राष्ट्रपति नासिद का मानना है कि यदि मालदीव को अपना विकास करना है तो भारत उसका सबसे बेहतर सहयोगी है । उसकी रणनीति शांति और सही है ना कि विस्तारवादी। सभी संकटों के समय भी भारत ने मालदीव की हर संभव सहायता देने का प्रयास किया है। भारत ने उसके साथ 363 करोड़ रुपए का लाइन आफ क्रेडिट समझौता किया है जो समुद्री व्यापारिक क्षमता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण आधार हो सकती है। साथ ही भारत ने रोना वैक्सीन की आपूर्ति भी मालदीव में की है। हिंद महासागर में महत्वपूर्ण स्थान बनाने की दृष्टि से इसका का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है । प्रत्येक वर्ष भारत से लाखों पर्यटक यहां में जाते हैं इसलिए भी संबंध प्रगाढ़ करना अत्यंत आवश्यक है।

(लेखक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय केंद्रीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के राजनीति विज्ञान विभाग में रिसर्च स्कॉलर हैं)

इमरान हाशमी, बी प्राक ने एक वीडियो गाने के लिए मिलाया हाथ

इमरान हाशमी और बी प्राक एक साथ आने वाले म्यूजिक वीडियो के लिए हाथ मिलाया है। इस ट्रैक को म्यूजिक डायरेक्टर जानी और बी प्राक ने कंपोज किया है, दोनों ने इसके बोल भी लिखे हैं। इसका टाइटल अभी तय नहीं किया गया है। गाने के बारे में बात करते हुए इमरान ने कहा, करीब तीन साल पहले जब मैं अपनी कार में सफर कर रहा था, तब मैंने बी प्राक का गाना मन भरया सुना था और मैं इससे पूरी तरह प्रभावित हुआ था। मुझे बस इस गाने से प्यार हो गया।

अभिनेता ने कहा, अब, जब मुझे डीआरजे रिकॉर्डस से कॉल आया और जब उन्होंने मुझे बी प्राक और जानी द्वारा निर्देशित इस गाने के बारे में बताया, तो मैंने गाना सुना और तुरंत हां कह दिया।

इमरान के साथ अपने पहले सहयोग के बारे में बताते हुए, बी प्राक ने कहा, मैं हमेशा से इमरान के साथ एक गाना करना चाहता था, क्योंकि वह एक हिट मशीन और रोमांटिक संगीत के बादशाह हैं। वहीं, संगीतकार जानी ने कहा कि उन्होंने इमरान को ध्यान में रखते हुए गीत बनाया, जब मैं गीत लिख रहा था, तो मैं बी प्राक के साथ इमरान के बारे में चर्चा कर रहा था और एक बार जब हम गीत की रचना कर चुके थे, तो हमें यकीन था कि इस गाने में इमरान शामिल होंगे। राज जायसवाल द्वारा अपने संगीत लेबल डीआरजे रिकॉर्डस के तहत निर्मित, संगीत वीडियो में जारी किया जाएगा।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र. 79

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.78 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आईवीएफ, सरोगेसी कानून से क्या बदलेगा

अनु जैन रोहतगी

कई सालों से पेंडिंग चल रहे असिस्टिव रिप्रॉडक्टिव बिल के साथ सरोगेसी बिल पिछले दिनों संसद से पास हो गया है। ये कानून आईवीएफ और सरोगेसी करने वाले क्लिनिकों, अस्पतालों की वर्षों से चली आ रही धांधली पर लगाम लगाएंगे। साथ ही आईवीएफ के साथ सरोगेसी की प्रैक्टिस को कानूनी जामा पहनाते हुए स्वास्थ्य को और सुरक्षित बनाएंगे। इन कानूनों पर अमल सुनिश्चित करने के लिए एक नैशनल बोर्ड बनेगा।

अभी तक इस तरह के क्लिनिक आईसीएमआर की गाइडलाइंस के तहत चल रहे थे और इनका खुलेआम उल्लघंन भी कर रहे थे। लगातार ऐसे मामले आते रहे हैं, जिनमें निस्संतान दंपतियों का शोषण कर लाखों रुपये ऐंठे गए। आईवीएफ के लगातार फेल होने के बावजूद महिलाओं का गिनी पिग की तरह इस्तेमाल होता रहा, बार-बार उन्हें बच्चा पैदा करने के लिए आईवीएफ ट्रीटमेंट दिया गया।

कुछ साल पहले आंध्र प्रदेश में 74 साल की महिला ने आईवीएफ तरीके से दो लड़कियों को जन्म दिया था तो चारों तरफ इसकी निंदा हुई। इसे अनएथिकल बताते हुए कहा गया कि आईवीएफ से गर्भधारण में उम्र सीमा का निर्धारण जरूरी है। डॉक्टरों का कहना है कि आईवीएफ सुरक्षित तकनीक है, लेकिन बड़ी उम्र की महिलाओं में इससे बीपी और फायब्रॉइड्स जैसे हेल्थ इश्यू आते हैं, पैदा होने वाले बच्चे के विकृत होने की आशंका भी रहती है।

संसद से पारित बिल में आईवीएफ के लिए उम्र निर्धारित कर दी गई है और कहा गया है कि 50 साल तक की महिलाएं और 55 साल तक के पुरुष आईवीएफ सेवा ले सकते हैं। बिल में शुक्राणु और अविकसित एग सेल स्टोर करने वाले बैंकों पर भी लगाम कसी गई है। अब 21 से 55 साल के पुरुष और 23 से 35 की महिलाएं ही अपना शुक्राणु और अविकसित एग सेल डोनेट कर सकते हैं। यही नहीं, सिर्फ शादीशुदा महिलाएं या पहले शादी में रह चुकी महिलाएं (जिनके तीन साल का एक बच्चा हो) ही इन बैंकों को अपना एग दे सकती हैं। ये महिलाएं अपनी जिंदगी में सिर्फ एक बार अपना एग बेच सकती हैं, या डोनेट कर सकती हैं। और एक बार में सात अविकसित एग सेल के नमूने ही लिए जा सकते हैं। अभी तक पैसा कमाने के चक्कर में अविवाहित लड़कियां और काफी यंग लड़के अपने शुक्राणु और अविकसित एग सेल कई-कई बार बेच रहे थे।

ऐसे मामले भी लगातार सामने आए कि जेनेटिक डिफेक्ट को जानने के बहाने आईवीएफ सेंटर बेहिचक जेंडर टेस्ट करते हैं और लड़का पाने की चाह रखने वाले दंपतियों से मनमाने रुपये वसूलते हैं। भारत में ये टेस्ट गैरकानूनी हैं, सिर्फ कुछ ही परिस्थितियों में इन्हें किया जा सकता है। बिल में इसे रोकने के लिए विशेष प्रावधान रखा गया है और कहा गया है कि जेनेटिक डिफेक्ट जानने की परिस्थितियों के बारे में बाकायदा नैशनल बोर्ड गाइडलाइंस बनाएगा।

वहीं सरोगेसी बिल के जरिए सरोगेट मदर यानी किराए पर कोख देने वाली महिलाओं के बढ़ते शोषण को खत्म करने के लिए नियम बनाए गए हैं। अभी हाल यह है कि एक महिला की कोख एक-दो बार नहीं, बल्कि कई बार किराए पर ले ली जाती है। इसमें ना केवल उसका स्वास्थ्य दांव पर होता है बल्कि मानसिक शोषण भी होता है। हालांकि 2015 में कुछ गाइडलाइंस के तहत इस बिजनेस पर लगाम लगाने की कोशिश की गई थी और विदेशियों के सरोगेसी सेवा लेने पर बैन लगा दिया गया था। इसके अलावा इस बिल में इस तकनीक से पैदा बच्चे को दंपती की प्राकृतिक संतान ही माना जाएगा और उसे सारे अधिकार मिलेंगे।

अब आईवीएफ या सरोगेसी की सुविधा लेने से पहले दंपती को पूरी काउंसलिंग देनी होगी। उन्हें आईवीएफ और सरोगेसी की असफलता दर, सेहत पर इसके होने वाले असर और इसमें आने वाली समस्याओं के बारे में खुलकर बताना होगा।

सर्दी ओलंपिक को रद्द करने को तिब्बती युवा निकाल रहे बाइक रैली

नगर संवाददाता

देहरादून। रीजनल तिब्बत यूथ कांग्रेस नई दिल्ली की चीन में होने वाली सर्दी ओलंपिक को रद्द करने की मांग को लेकर निकाली जा रही बाइक रैली आज देहरादून पहुंची। प्रेस क्लब में इस संबंध में रैली में शामिल युवाओं ने बताया

कि दिसंबर माह में दलाई लामा को नोबेल शान्ति पुरस्कार से सम्मानित करने पर 12 साल की वर्षगांठ के साथ अन्तरराष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस भी मनाई जा रही है। द्वा उत्सव के अवसर पर तिब्बती युवा संगठन के अंग क्षेत्रीय तिब्बती युवा संगठन दिल्ली द्वारा अन्य क्षेत्र सदस्यों की भागेदारी के साथ दक्षिण भारत बेंगलुरु से आरम्भ है के समस्त भारत बाइक यात्रा की आयोजना किया जा रहा है। इस यात्रा की मुख्य कारण चीन में होनेवाली ओलिम्पिक खेल आयोजन करने की योग्यहीनता को दर्शाते हुए आन्दोलन करना है। तिब्बत पर कब्जा करने के बाद भी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा तिब्बत की संस्कृति और परम्पराओं को नष्ट करने कि पूरी कोशिश की है। तिब्बती बौद्ध मन्दिरों और विभिन्न तीर्थस्थलों को भी नष्ट किया जा रहा है। कहा कि इन अत्याचारों को सहना असमर्थ हो कर अब तक 167 तिब्बतियों ने तिब्बत और जनता कल्याण हेतु स्वयं के शरीर दीप जलन करके न्याय की मांग की है। तिब्बत की मानवाधिकार स्थिति को बयान किया जाए तो दिनबदिन बिगड़ती जा रही है। युवाओं का कहना था कि चीन के राष्ट्रपति के नेतृत्व में केवल तिब्बत ही नहीं बल्कि अन्य देशों को भी अपने कब्जे में लेने की प्रयास जारी है। कहा कि इन सभी बातों को ओलंपिक संगठन को पेश करने बावजूद कोई भी प्रभाव नहीं दिख रहा है। इन्हीं कारण को दर्शाते हुए इस साल चीन में होने वाली ओलंपिक खेलों को रद्द करने की मांग करते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बाइक यात्रा की चार मुख्य उद्देश्य हैं कि सर्दी ओलंपिक को रद्द किया जाए। पंचेन तामा और अन्य तिब्बती राजनीतिक कैदियों को जल्द ही रिहा करना चाहिए। 167 स्वतन्त्र तिब्बत कार्यकर्ता जिन लोगों ने अपनी जान की कुरबानी दी है उनकी मांग की सुनवाई की जाए। इस बाइक रैली के जरिए वे भारत सरकार और देश की जनता को धन्यवाद भी करना चाहते हैं।

स्मैक सहित शातिर दबोचा

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशा तस्करी में लिप्त एक शातिर को पुलिस ने कल देर शाम 7.08 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शातिर किस्म का व्यक्ति है जो पहले भी अन्य आरोपों में जेल की हवा खा चुका है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना बसंतविहार पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस पीर की माढी से कावली की तरफ जाने वाले रास्ते पर

पहुंची तो उसे वहां एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो वह सकपका कर भाग निकला। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 7.08 ग्राम स्मैक बरामद की। पूछताछ में उसने अपना नाम चांद सुलेमान उर्फ सुल्ली पुत्र स्व. रिजवान निवासी मुस्लिम बस्ती शास्त्री नगर खाला वसंत विहार बताया। बताया कि वह सस्ते दामों में रामपुर से स्मैक खरीद कर देहरादून में स्कूल कॉलेज के लड़को को ऊंचे दामों में बेचता है जिससे उसे अच्छा खासा लाभ हो जाता है। पुलिस ने उसे एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी शातिर किस्म का बदमाश है जो पहले भी बसंतविहार व रायपुर थाना क्षेत्रों से अलग-अलग आरोपों में जेल की हवा खा चुका है। नशा तस्कर को दबोचने वाली पुलिस टीम में चौकी प्रभारी इंदिरानगर एस.आई. विकसित पवार,कां. जितेंद्र कुमार,कां. शादाब, कां. गौरव, कां. ललित व कां. मनजीत शामिल रहे।

गन्ना भुगतान को लेकर किसानों ने दिया डोईवाला चीनी मिल पर धरना

संवाददाता

डोईवाला। गन्ना भुगतान की मांग को लेकर किसानों द्वारा आज संयुक्त किसान डोईवाला के बैनर तले डोईवाला मिल गेट पर तालाबंदी कर दिया धरना दिया गया।

धरने को सम्बोधित करते हुए किसान सभा के जिलाध्यक्ष दलजीत सिंह ने कहा कि बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि गन्ना मिल के पेराई सत्र शुरू होने के डेढ़ माह गुजरने के बाद भी मिल प्रशासन द्वारा अभी तक किसानों को कुछ भी भुगतान नहीं किया गया है । उन्होंने कहा कि आज के धरने के सम्बंध में संयुक्त किसान मोर्चा ने एक सप्ताह पहले अवगत करा दिया गया था उसके बाद भी मिल द्वारा गन्ना भुगतान की कोई प्रक्रिया शुरू नहीं कि गयी। मोर्चे के वरिष्ठ नेता बलबीर सिंह ने कहा कि यदि मिल द्वारा शीघ्र भुगतान नहीं किया तो किसान उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे । किसान यूनियन जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह खालसा ने कहा कि डोईवाला गन्ना मिल द्वारा किसानों

की अनदेखी की जा रही है जिसको बर्दास्त नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब तक मिल प्रशासन द्वारा भुगतान का कोई आश्वासन नही देता ये धरना निरन्तर चलता रहेगा।

धरने को श्रमिक नेता अश्विनी त्यागी, गुरदीप सिंह, बिरेन्द्र कुमार एडवोकेट, मुहम्मद अकरम, कमल अरोड़ा , हेमा पुरोहित, आदि ने भी सम्बोधित किया।

धरने को मिल प्रशासन द्वारा दो तीन दिन के अंदर 18 दिन के भुगतान दिए जाने की घोषणा के बाद किसानों द्वारा धरना स्थगित कर दिया गया। धरने में करेशन सिंह, जगजीत सिंह, समशाद अली, हरबंश सिंह, नरेन्द्र सिंह, रविन्द्र सिंह, तेजपाल, गुरपाल, उस्मान अली, प्यारा सिंह, धर्मपाल, बबलू, तेजपाल, राजेश सिंह, भजन सिंह, श्याम लाल, रोशन लाल, गोविंद सिंह आदि सैकड़ो किसान मुख्य रूप उपस्थित थे।

राउपा ने विशाल बिष्ट को यमुनोत्री से प्रत्याशी घोषित किया

नगर संवाददाता

देहरादून। राजगढ़ी जिला उत्तरकाशी से विशाल सिंह बिष्ट ने आज अपने साथियों के साथ राष्ट्रीय उत्तराखंड पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। विशाल बिष्ट को पार्टी ने यमुनोत्री विधानसभा सीट से अपना प्रत्याशी घोषित किया है। आज हरिद्वार रोड स्थित पार्टी कार्यालय में विशाल सिंह बिष्ट ने नवीन सिंह बिष्ट, जगबीर सिंह जयाड़ा, राकेश सिंह जयाड़ा आदि के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवनीत गुसाईं एवं पार्टी के राजपुर विधानसभा देहरादून प्रत्याशी विजय कुमार, बालेश बवानिया, सुरजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

एसपी चमोली ने किया कोतवाली का आकस्मिक निरीक्षण

संवाददाता

चमोली। एसपी चमोली श्वेता चौबे द्वारा आज कोतवाली चमोली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कोतवाली चमोली परिसर, भवन, कार्यालय तथा आवासीय कॉलोनी का भ्रमण किया।

एसपी द्वारा प्रभारी निरीक्षक को कार्यालयी अभिलेख सही ढंग से रखे जाने व साफ-सफाई सही ढंग से किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत पुलिस क्षेत्रान्तर्गत एवं राजस्व क्षेत्रान्तर्गत के शस्त्रों को जमा किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। निरोधात्मक कार्यवाही पर जोर दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

पुलिस मुख्यालय की अपेक्षा के क्रम में संदिग्धों एवं बाहरी व्यक्तियों का वृहद सत्यापन किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। किसी भी प्रकार के कार्य को गुणवत्तावपूर्वक किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर उनके द्वारा थाने में नियुक्त स्टाफ के साथ परिचयात्मक गोष्ठी ली गयी तथा प्रभारी निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि सर्दी के दृष्टिगत थाना परिसर में अलाव की व्यवस्था की जाये।

इस हेतु स्थानीय नगर पंचायत एवं वन विभाग से आवश्यक समन्वय स्थापित करते हुए जलौनी लकड़ियों की व्यवस्था करायी जाये। ठंड के मौसम में चोरी की घटनाओं में वृद्धि होने के दृष्टिगत नियमित रूप से रात्रि गश्त की जाये तथा थाना क्षेत्रान्तर्गत लगे सीसीटीवी कैमरों की निरन्तर मॉनीटरिंग की जाये। कोविड के नये वैरियेन्ट से बचाव के दृष्टिगत कोविड अनुरूप व्यवहारों का पालन किये जाने तथा स्थानीय जनमानस से भी पालन किये जाने की अपील किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

एक नजर

सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 2 आंतकियों को मार गिराया

जम्मू। जम्मू–कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने २ आंतकियों को मार गिराया है। मंगलवार सुबह हल्की बर्फबारी के बीच पुलिस को कुलगाम के ओके गांव में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। मुठभेड़ को लेकर आईजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि मुठभेड़ में एक और आतंकी मारा गया है। कुल मिलाकर २ आतंकी मारे जा चुके हैं। दोनों आतंकी स्थानीय नागरिक हैं और उनके

संबंध आतंकी संगठन लश्कर या टीआएफ से हो सकता है। वे हाल की कई आतंकी वारदात में शामिल थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सूचना मिलते ही सुरक्षाकर्मी गांव में पहुंच गए और आतंकियों की तलाश से पहले उन्होंने गांव की घेराबंदी कर ली। उन्होंने जैसे ही तलाशी अभियान शुरू किया, वैसे ही एक मकान में छिपे कुछ आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों को अपने नजदीक आते देख उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई करते से पहले आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का मौका दिया। लेकिन इसका कोई भी असर नहीं हुआ। जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा बलों ने सोमवार को भी एक एनकांउटर में लश्कर के शीर्ष कमांडर सलीम पारे समेत एक विदेशी आतंकवादी को मार गिराया था।

चीन के 12 लाख की आबादी वाले यूझू शहर में लगा पूर्ण लॉकडाउन

बीजिंग। चीन में हालिया लॉकडाउन के दौरान करीब १२ लाख की आबादी वाले यूझू शहर में तीन बिना लक्षणों वाले कोविड–१६ मामले सामने आने के बाद मंगलवार को शहर में पूर्ण लॉकडाउन लगा दिया गया। विंटर ओलंपिक शुरू होने से एक महीने पहले हालिया मामले सामने आने के बाद चीनी अधिकारियों को यह सख्त कदम उठाना पड़ा है। हेनन प्रांत स्थित यूझू शहर ने सोमवार रात को घोषणा की कि संक्रमण को रोकने के लिए सभी नागरिकों को घरों में रहना होगा। कहा गया कि मध्य इलाके में रहने वाले लोगों को बाहर नहीं जाना चाहिए। चीन में मंगलवार को १७५ नए कोविड–१६ मामले

सामने आए, जिनमें हेनान प्रांत में पांच और पूर्वी शहर निंगबो में आठ और शामिल हैं। दुनिया के बाकी देशों से मामले कम होने के बावजूद मार्च, २०२० के बाद से देश में सबसे अधिक मामले सामने आने लगे हैं। पिछले दो हफ्तों से लॉकडाउन में कैद १.३ करोड़ की आबादी वाले शियान में मंगलवार को ६५ नए मामले सामने आए। शीआन ने ६ दिसंबर से अब तक १,६०० से अधिक मामले दर्ज किए हैं, हालांकि पिछले कुछ दिनों में संख्या पिछले सप्ताह के आंकड़ों की तुलना में घटने लगी है।

हर रात अखिलेश यादव के सपने में आते हैं भगवान श्रीकृष्ण!

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि समाजवाद का रास्ता ही असल में रामराज्य का रास्ता है। अखिलेश यादव ने दावा किया कि भगवान श्रीकृष्ण हर रात उनके सपने में आते हैं और कहते हैं कि समाजवादी पार्टी की

सरकार बनने जा रही है। अखिलेश यादव ने कहा, भगवान श्रीकृष्ण मेरे भी सपने में आते हैं और कल भी आए थे, रोज आते हैं और कहते हैं कि समाजवादी सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि बीजेपी अक्सर रामराज्य की बात करती है लेकिन असल में समाजवाद का रास्ता ही रामराज्य का रास्ता है। जिस दिन पूरी तरह से समाजवाद लागू हो जाएगा उसी दिन से रामराज्य शुरू हो जाएगा। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि जिसके ऊपर तमाम गंभीर धाराओं में मामले दर्ज थे, बीजेपी ने उसे मुख्यमंत्री बना दिया। बीजेपी के बहुत से नेता जो बुजुर्ग हैं, जो कई साल से खून पसीना बहाकर पार्टी को मजबूत कर रहे थे, वो कई बार कहते हैं कि हम तो खून पसीना बहा रहे थे, ये न जाने कहां से आए, इन्हें हमारे ऊपर बैठा दिया गया।

दूसरों को नसीहत, खुद मियां फजीहत

संवाददाता

देहरादून। बीते कल राजधानी दून आये दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने परेड ग्राउंड में जनसभा से लेकर अन्य कई कार्यक्रमों में भाग लिया था, अब उनके कोरोना पाजिटिव होने की खबर आने के बाद शासन–प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। वही सियासी रैलियों पर रोक और नेताओं द्वारा कोरोना नियमों के उल्लंघन पर आम आदमी से लेकर राजनीतिक दल भी सवाल उठा रहे हैं।

बीजापुर गेस्ट हाउस प्रबंधकों ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर गेस्ट हाउस के स्टाफ का कोरोना टेस्ट कराने की मांग की है वहीं एयरपोर्ट कर्मचारियों के भी टेस्ट कराने को कहा गया है। पूर्व आप नेता और सामाजिक कार्यकर्ता अनूप नौटियाल ने कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर राजनीतिक रैलियों पर रोक लगाने की बात कही है। अब आप के तमाम नेता अपना कोरोना टेस्ट करा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि टीवी चैनलों पर कोरोना की गाइडलाइनों का पालन करने की लोगों से अपील करने वाले अरविंद केजरीवाल ने कल अपनी उत्तराखंड यात्रा के दौरान कोरोना नियमों की धज्जियां खुद ही उड़ा दी। वह कहीं भी मास्क

❑केजरीवाल आए और फ्री कोरोना दे गए

लगाए नहीं दिखे। एयरपोर्ट से लेकर बीजापुर गेस्ट हाउस तक जहां वह सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं से मिले तथा जनसभा के दौरान वह और अन्य आप के नेताओं ने मास्क नहीं लगा रखा था। सोशल डिस्टेंसिंग तो दूर–दूर तक देखने को नहीं मिली। अब यह आप कार्यकर्ता और नेता अपना कोरोना टेस्ट करा रहे हैं।

भाजपा ने अरविंद केजरीवाल को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि मुफ्त बिजली व मुफ्त पानी देने वाले केजरीवाल राज्य के लोगों को मुफ्त में कोरोना बांट कर चले गए। भाजपा का आरोप है कि केजरीवाल ने प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया है। वही कांग्रेस का कहना है कि आम आदमी के लिए नियम बनाने वाली भाजपा सरकार ने उनसे जांच रिपोर्ट क्यों नहीं मांगी। टेस्ट रिपोर्ट न लाने वाले हजारों पर्यटकों को वापस लौटा दिया जाता है क्या आम और खास आदमी के लिए कोरोना की अलग–अलग गाइडलाइनें है राज्य में। कांग्रेस का कहना है कि अगर उन्हें पता था कि उन्हें कोरोना है तो फिर वह क्यों देहरादून आए? खैर कुछ भी सही लेकिन रैली से जाने के बाद स्वयं को कोरोना पाजिटिव होने की खबर देकर अरविंद केजरीवाल खुद ही अपनी फजीहत करा चुके हैं।

अब शिक्षित बेरोजगारों का क्या होगा?

देहरादून। सेवानिवृत्त सैनिकों को सरकारी नौकरी देने की घोषणा करने वाले अरविंद केजरीवाल का दांव उन पर ही उल्टा पड़ गया है। शिक्षित युवा बेरोजगार इससे काफी नाराज हैं। उनका कहना है कि अगर सभी सेवानिवृत्त सैनिकों को उनकी सरकार नौकरी दे देगी तो वह कहां जाएंगे? राज्य में पहले ही लाखों बेरोजगारों का भविष्य अंधेरे में हैं और वह नौकरी के लिए भटक रहे हैं। राजनीति के जानकार मानते हैं कि केजरीवाल का फैसला अपने ही पैरों में कुल्हाड़ी मारने वाला साबित होगा।

अधिक से अधिक लोग जुड़ें रेडक्रॉस से: राज्यपाल

नगर संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से मंगलवार को राजभवन में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी उत्तराखंड के महासचिव डॉ एमएस अंसारी तथा अन्य सदस्यों ने मुलाकात की।

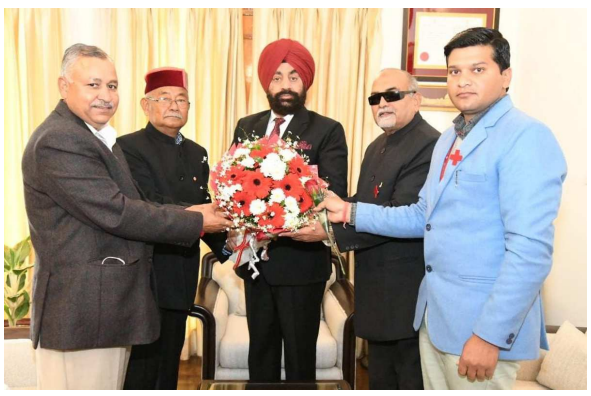

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के साथ उत्तराखंड राज्य में रेडक्रॉस की स्थिती तथा इसे मजबूत बनाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। राज्यपाल ने कहा कि रेडक्रॉस के वॉलिंटियर्स की संख्या बढ़ाने के प्रयास किए जाने चाहिए। रेडक्रॉस के साथ अधिक से अधिक लोग जुड़ें। विशेषकर कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र–छात्राएं इसके सदस्य बने। राज्य के सभी जिलों में जूनियर एवं यूथ रेडक्रॉस के गठन पर जोर दिया जाना चाहिए। जिससे छात्र–छात्राओं के मन में बचपन से ही जरूरतमंदों की सहायता करने तथा सेवा की भावना से कार्य करने की ललक पैदा हो सके। रेडक्रॉस तथा आपदा प्रबंधन विभाग मिलकर राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों, कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं को फर्स्ट ऐड, डिजास्टर मैनेजमेंट ट्रेनिंग तथा रोड सेफ्टी आदि का प्रशिक्षण दें। राज्यपाल ने कहा कि रेडक्रॉस का गठन मानवता की सेवा के लिए ही हुआ है। रेडक्रॉस शब्द से ही मन में सेवा की भावना का भाव आता है।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि कोविड कि नए वेरिएंट ओमीक्रोम के संक्रमण की संभावनाओं को देखते हुए आमजन में कोविड प्रोटोकॉल के सख्ती से पालन के प्रति जागरूकता लानी जरूरी है। रेड क्रॉस के सभी स्वयंसेवकों को नई ऊर्जा और संकल्प के साथ ओमीक्रोन की इस चुनौती का सामना करना है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है एक माली की।

संपर्क करें-
9358134808

आवश्यकता है

होटल साइना इन में आवश्यकता है वेटर व बिल क्लर्क की।

संपर्क करें-
9358134808

सार्वजनिक सूचना

मेरा ड्राईविंग लाईसेंस संख्या यू. के.0720010012155 जो दिनांक 19. 9.2001 को जारी किया गया था जिसकी वैधता 18.10.2021 को समाप्त हो गयी है, उसमें मेरा नाम anita दर्ज है जो कि गलत है। जबकि सही नाम amita ohri है। अतः मुझे अमिता ओहरी के नाम से ही जाना पढ़ा व समझा जाये।

अमिता ओहरी
पुत्री विजय कुमार कश्यप
निवासी–48सी, कालिन्दी एन्क्लेव
बल्लीवाला चौक देहरादून, उत्तराखण्ड
आधार संख्या–715527061113

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।